International Research Journal of Human Resource and Social Sciences
ISSN(O): (2349-4085) ISSN(P): (2394-4218)
Impact Factor 7.924 Volume 11, Issue 01, Jan 2024
Website- www.aarf.asia, Email : editoraarf@gmail.com

शहरी उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी स्कूलों के छात्र एवं छात्राओं की सामाजिक परिपक्वता पर शैक्षिक वातावरण का प्रभाव
(उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर शहर पर किया एक सर्वेक्षणात्मक अध्ययन)

रेखा शर्मा, शोधार्थिनी, शिक्षा विभाग, जे एस विश्वविद्यालय, शिकोहाबाद
डॉ संदीप शांडिल्य, पूर्व प्रोफ, व्यवसाय प्रशासन विभाग, डी एस कॉलेज, अलीगढ
डॉ नीलम कैथल, प्रोफ, शिक्षा विभाग, जे एस विश्वविद्यालय, शिकोहाबाद

(सारांश)

प्रस्तुत शोध पत्र उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की सामाजिक गतिशीलता, सामाजिक समायोजन और शैक्षिक उपलब्धि पर शैक्षिक वातावरण के प्रभाव पर केंद्रित है। इस अध्ययन के संचालन के लिए शहरी सरकारी स्कूलों का चयन किया गया है। यह अध्ययन बुलंदशहर जिले के सरकारी कॉलेज के उच्चतर माध्यमिक छात्र और छात्राओं पर किया गया है। अध्ययन के संचालन के लिए 75 छात्राओं और 75 छात्रों वाले कुल 150 छात्रों के नमूने का चयन किया गया है। अध्ययन में एक संरचित प्रश्नावली का उपयोग किया गया है जो सरकारी कॉलेजों के छात्र और छात्राओं को दी गई थी। अध्ययन में अध्ययन की परिकल्पनाओं के परीक्षण के लिए वर्णनात्मक और सांख्यिकीय संदर्भ आधारित विश्लेषण दोनों का उपयोग किया गया है।छात्र एवं छात्राओं की प्रतिक्रियाओं के बीच संबंध का परीक्षण करने के लिए काई-स्क्वायर परीक्षण का प्रयोग किया गया है। अध्ययन के परिणामों से पता चला है कि छात्र और छात्राओं की प्रतिक्रियाओं के बीच घनिष्ठ संबंध है इसके अलावा, उनके जवाबों के अंक पर्याप्त रूप से उच्च मान वाले हैं जिन से पता चलता है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की सामाजिक परिपक्वता पर शैक्षिक वातावरण का स्पष्ट और महत्वपूर्ण प्रभाव है।

कुंजी शब्द: उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शैक्षिक वातावरण, सामाजिक परिपक्वता

© Association of Academic Researchers and Faculties (AARF)
A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International e-Journal - Included in the International Serial Directories.

✉ प्रस्तावना:

प्रस्तुत शोध पत्र में उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्वता पर शैक्षिक वातावरण पर प्रभाव का अध्ययन किया गया है। इस अध्ययन को संपन्न करने के लिए, न्यादर्श को सरकारी और निजी दोनों प्रकार के शहरी स्कूलों में विभाजित किया गया है। अब इन दोनों श्रेणियों के विद्यालयों से, छात्र एवं छात्राओं दोनों को अध्ययन के उद्देश्य से चुना गया है। स्कूल का शैक्षिक वातावरण विद्यार्थी के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उच्चतर माध्यमिक विद्यालयी शिक्षा व्यक्ति के शैक्षिक और समग्र विकास का एक महत्वपूर्ण चरण प्रस्तुत करती है। यह कहना अनुचित नहीं होगा कि शैक्षिक वातावरण विद्यार्थी की सामाजिक परिपक्वता के संदर्भ में उसके विकास का सबसे महत्वपूर्ण निर्धारक है।

आधुनिक शिक्षा का स्वरूप ऐसा होना चाहिऐ जो कि समाज की व्यवस्था को सुद्रढ बनाकर व्यक्तियों को उनके विकास के अवसर प्रदान करें और समाज के मूल्यों की रक्षा करें। बालक मनोवैज्ञानिक रूप से समाज में सामंजस्य स्थापित कर शिक्षा के द्वारा अपने गुणों को विकसित करके घर परिवार समाज में सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं तथा राष्ट्र के विकास में अपनी भूमिका का निर्वाहन कर सकते हैं। यह तभी संभव है जब राष्ट्र के नागरिकों को शिक्षा की उचित सुविधाएँ उपलब्ध हों। इसमें कोई संदेह नहीं है कि शैक्षिक वातारण का किसी विद्यार्थी के सम्पूर्ण विकास पर दूरगामी प्रभाव पड़ता है। विशेषकर यह प्रभाव तब और प्रभावशाली हो जाता है जब इसको स्कूल के स्तर पर देखा जाये। दूसरों शब्दों में यह कहा जा सकता है स्कूल के शैक्षणिक वातारण का किसी व्यक्ति पर जीवन भर असर देखने को मिलता है।

2.0 साहित्य की समीक्षा

थॉमसन एस (2018) ने अपने शोध में पाया कि पिछले 50 वर्षों में बहुत सारे शोध किए गए हैं, जो किसी सीमा तक हमें आश्वस्त करते हैं कि सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव पड़ता है। **हैमर डी एवं अन्य (2018)** ने अपने शोध में पाया कि प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय में शैक्षणिक उपलब्धि को व्यक्तिगत रूप से प्रभावित करने वाले कारकों में प्रारंभिक बचपन में सामाजिक-भावनात्मक विकास के विभिन्न पहलू हैं - जिसमें आत्म-नियमन, अति सक्रियता, भावनात्मक समस्याएं और साथियों की समस्याएं सम्मलित हैं। **अस, हरिनारायन और पजहनिवेलु जी (2018)** शोध के अनुसार स्कूल का वातावरण छात्रों की

शैक्षणिक उपलब्धि को प्रभावित करता है। शोध में यह पाया गया कि स्कूल के माहौल और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच एक सकारात्मक संबंध है। **बरोएर मारकस एवं अन्य (2019**) यह शोध कार्य उपलब्ध शोध कार्यों की समीक्षा पर आधारित है। साहित्य की समीक्षा में आमतौर पर यह पाया गया कि पारिवारिक सामाजिक-आर्थिक स्थिति एवं छात्र उपलब्धि के बीच एक सकारात्मक संबंध है। **डंगोल रीता एवं श्रेष्ठा मिलान (2019)** शोध के अनुसार स्कूली छात्रों के बीच प्रभावी शिक्षण प्रक्रिया के लिए सीखने की तत्परता एक पूर्वापेक्षित शर्त है। **डेविस-केएन पामेला एवं अन्य (2020)** ने अपने शोध में पाया कि सामाजिक-आर्थिक स्थिति (एसईएस) - माता-पिता की शैक्षिक उपलब्धि, माता-पिता के व्यवसाय और परिवार की आय, बच्चों के विकास का एक प्रभावशाली निर्धारक है। **घोष (2020)** के शोध के परिणामों से पता चला कि बेहतर घरेलू अनुभव वाले छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का स्तर उच्च है। **कुमार विनीत एवं तन्खा गीतिका (2020)** ने अपने शोध परिणामों में छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन के साथ उपलब्धि प्रेरणा और शैक्षिक समायोजन के एक महत्वपूर्ण संबंध का खुलासा किया। हालाँकि, शैक्षणिक प्रदर्शन के साथ भावनात्मक और सामाजिक समायोजन के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं पाया गया। **के सतीश एवं सुब्रमनियन (2021)** सहसंबंध विश्लेषण के परिणामों से पता चला कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों के शैक्षणिक तनाव और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच एक महत्वपूर्ण नकारात्मक संबंध है। **भारद्वाज शगुन एवं शर्मा उषा (2021)** निष्कर्षों के आधार पर संयुक्त आश्रित चरों अर्थात भावनात्मक बुद्धिमत्ता, सामाजिक बुद्धिमत्ता और समायोजन पर लिंग और शैक्षिक धारा के बीच कोई सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतःक्रिया प्रभाव नहीं था। **चिरिस्तुराज अरुल एवं अन्य (2023)** ने अपने शोध में शिक्षा हेतु पहली बार अपने मूल राज्य से दूर शहरों में प्रवास करते वाले आदिवासी छात्रों द्वारा सामना की जाने वाली विभिन्न सामाजिक समायोजन समस्याओं पर प्रकाश डालने का प्रयास करता है। इन छात्रों द्वारा सहन की जाने वाली समायोजन की समस्याएँ गैर-मूल संस्कृति के अनुकूल होने से लेकर स्थानीय भाषा में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने तक की होती हैं।

3.0 अध्ययन का नमूना:

वर्तमान अध्ययन बुलंदशहर जिले के सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों को दिए गए एक संरचित प्रश्नावली के आधार पर किया गया है। अध्ययन की परिकल्पनाओं का परीक्षण

करने के लिए इन छात्राओं और छात्रों के उत्तरों को एकत्रित, विश्लेषित और व्याख्या किया गया है। अध्ययन के नमूने में 75 छात्राएं और 75 छात्र शामिल हैं। उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों का नमूना भारत के उत्तर प्रदेश राज्य के बुलंदशहर जिले से लिया गया है। नमूना सरकारी स्कूलों से लिया गया है।

✉ **अध्ययन का उद्देश्य:**

अध्ययन का उद्देश्य निम्नलिखित हैं: "शहरी सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्राओं और छात्रों की सामाजिक परिपक्वता पर शैक्षिक वातावरण के प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन करना" ।

5.0 अध्ययन की परिकल्पना:

उपरोक्त उद्देश्यों के संबंध में अध्ययन की परिकल्पनाएं इस प्रकार है: "शहरी सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्राओं और छात्रों की सामाजिक परिपक्वता पर शैक्षिक वातावरण के प्रभाव के बीच कोई सार्थक अंतर नहीं है"

6.0 शोध विधि:

अध्ययन की परिकल्पना का परीक्षण करने के लिए इस्तेमाल किया गया सांख्यिकीय उपकरण काई -स्क्वायर परीक्षण है। यह परीक्षण यह जानने के लिए लागू किया जाता है कि क्या शैक्षिक परिपक्वता पर शैक्षिक वातावरण के प्रभाव के बारे में छात्राओं और छात्रों के विचारों के बीच कोई संबंध है।

7.0 डेटा विश्लेषण और व्याख्या:

अध्ययन के आंकड़ों का विश्लेषण और व्याख्या निम्नलिखित तालिका में प्रस्तुत की जा रही है, जो उत्तरदाताओं छात्रों एवं छात्राओं के प्रत्युत्तरों के प्रेक्षित मूल्य और अंकों के अपेक्षित मूल्य को दर्शाती है।

छात्रों एवं छात्राओं की सामाजिक परिपक्वता पर शैक्षिक वातावरण का प्रभाव- प्रेक्षित आवृत्ति एवं अपेक्षित आवृत्ति तालिका

क्रम संख्या	मद	प्रेक्षित स्कोर		अपेक्षित स्कोर	
		छात्र	छात्र	छात्र	छात्रा
1	शैक्षणिक वातावरण का सामाजिक रूप से विकसित होने पर प्रभाव	71	72	71.00	71.99
2	शिक्षा का स्वयं को एक अच्छा नागरिक बनाने में योगदान	75	74	73.98	75.01
3	शैक्षणिक वातावरण का सामाजिक कार्यों के प्रति प्रेरणा में योगदान	63	70	66.04	66.95
4	शिक्षा का माता पिता के प्रति सम्मान की भावना को प्रेरित करने में योगदान	75	75	74.48	75.51
5	शैक्षणिक वातावरण का अपने गुरुजनों के प्रति आदर भाव रखने और उनकी आज्ञा पालन हेतु प्रेरणा में योगदान	75	75	74.48	75.51
6	शैक्षणिक वातावरण का समाज में एक सम्मानित व्यक्ति के रूप में विकास में योगदान	72	73	72.00	72.99
7	शैक्षणिक वातावरण का अपने परिवार के प्रति दायित्वों को समझने में भूमिका	75	74	73.98	75.01
8	शिक्षा का मेरी अपनी बात को किसी से भी सुचारु रूप से कहने की क्षमता विकसित करने में योगदान	67	72	69.02	69.97
9	शैक्षणिक वातावरण का मुझे सामाज के गरीब व असहाय व्यक्तियों की मदद करने की प्रेरणा में योगदान	73	74	72.99	74.00
10	शिक्षा के माध्यम से समाज की सेवा की चाहत	75	72	72.99	74.00

1.8 निष्कर्ष :

उपरोक्त तालिका के आधार पर प्राप्त काई -स्क्वायर मान और सूत्र $X^2 = \sum \frac{(O-E)^2}{E}$ लागू करने पर हमें काई-स्क्वायर का मान 0.5748 प्राप्त होता है।

काई-स्क्वायर के साथ परिकल्पना का अंतिम परीक्षण इस प्रकार है:

1. स्वतंत्रता की डिग्री- 9

2. महत्व का स्तर- 0.05

3. काई स्क्वायर (A) का परिकलित मान-0.5748

4. काई स्क्वायर (B) का सारणीबद्ध मान- 16.92

5.परिणाम की व्याख्या- जैसा कि (B)>(A),

छात्रों और छात्राओं की प्रतिक्रियाओं के बीच संबंध है इसलिए, उपरोक्त दो परीक्षणों से यह देखा जा सकता है कि परिकल्पना स्वीकार की जाती है। काई -स्क्वायर परीक्षण इस बात की पुष्टि करता है कि इस संबंध में छात्रों और छात्राओं दोनों की राय जुड़ी हुई है।

सन्दर्भ:

1. Thomson, S. Achievement at school and socioeconomic background—an educational perspective. *npj Science Learn* **3**, 5 (2018). https://doi.org/10.1038/s41539-018-0022-0
2. Hammer, D., Melhuish, E., & Howard, S. J. (2018). Antecedents and consequences of social–emotional development: A longitudinal study of academic achievement. *Archives of Scientific Psychology*, *6*(1), 105–116. https://doi.org/10.1037/arc0000034
3. S, Harinarayanan, and Pazhanivelu G. "Impact of School Environment on Academic Achievement of Secondary School Students at Vellore Educational District." Shanlax International Journal of Education, vol. 7, no. 1, 2018, pp. 13–19. DOI: http/doi.org/ 10.5281/zenodo.2529402
4. Broer, Markus & Bai, Yifan & Fonseca, Frank. (2019). A Review of the Literature on Socioeconomic Status and Educational Achievement. 10.1007/978-3-030-11991-1_2.

5. Dangol, Rita & Shrestha, Milan. (2019). Learning Readiness and Educational Achievement among School Students. The International Journal of Indian Psychology. 7. 467-476. 10.25215/0702.056.
6. Davis-Kean, Pamela & Tighe, Lauren & Waters, Nicholas. (2020). The Role of Parent Educational Attainment in Parenting and Children's Development. 10.31234/osf.io/ndmxb.
7. Ghosh, (2020). Home environment in relation to educational achievement among school students, IJAR 2020; 6(10): 29-32
8. Kumar, Vineeth & Tankha, Geetika. (2020). Influence of Achievement Motivation and Psychological Adjustment on Academic Achievement: A Cross-Sectional Study of School Students. Humanities & Social Sciences Reviews. 8. 532-538. 10.18510/hssr.2020.8165.
9. K, Sathish & Subramanian. (2021). Academic Stress in Relation with Academic Achievement of Higher Secondary School Students. IARJSET. 8. 10.17148/IARJSET.2021.8953.
10. Bhardwaj, Shagun & Sharma, Usha. (2021). A Comparative Study of Social Intelligence, Emotional Intelligence and Adjustment Among college Students. 2021 IJCRT, Volume 9, Issue 7 July 2021, ISSN: 2320-2882.
11. Chiristhuraj, Arul & Krishnakumar, K & Kumar, C.Satheesh. (2023). Social adjustment and higher education: Nort east tribal students in non-native urban environment. International Journal of Social Sciences and Management. 06. 10.37602/IJSSMR.2023.6302.